डेराबस्सी में अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा बढ़ाई

सुरक्षा के मद्देनजर 5 जून तक बाहरी लोगों का प्रवेश बंद

गुरमीत सिंह | डेराबस्सी
समर न्यूज़

डेराबस्सी में अदालतों में बम धमाके की धमकी भरी ई मेल मिलने के बाद अदालतों की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। जिला और सत्र न्यायाधीशों के आदेशानुसार 5 जून तक न्यायिक परिसरों में आम जनता के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है।

आदेशों के अनुसार केवल मुकदमों से संबंधित पक्षकार और आरोपी ही अदालत परिसर में प्रवेश कर सकेंगे। सुरक्षा कर्मियों को हर आगंतुक की सख्त तलाशी लेने के निर्देश दिए गए हैं।

अदालत परिसरों की पूरी तलाशी और सुरक्षा जांच पूरी होने तक किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। न्यायिक कामकाज भी पुलिस की क्लीयरेंस मिलने के बाद ही शुरू किया जाएगा। इस दौरान न्यायिक अधिकारियों और सुरक्षा बलों को अधिक चौकसी बरतने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं। धमकी भरी ई मेल मिलने के बाद पूरे डिवीजन में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

हालाँकि अदालतों में एक महीने की छुट्टियाँ चल रही हैं, परन्तु आपराधिक और नये मामलों की सुनवाई जारी है। थाना प्रभारी सुमित मोर ने बताया कि धमकी मिलते ही कोर्ट परिसर की पूरी तलाशी और जांच कर ली गई है। तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। उन्होंने कहा कि रोजाना इसी तरह की तलाशी मुहिम जारी रहेगी।

1.30 लाख रुपये रिश्वत लेते एएसआई रंगे हाथ गिरफ्तार

जमानत में मदद के नाम पर मांगे थे 2.5 लाख रुपये

समर न्यूज़ | मोहाली

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने फिरोजपुर जिले के सीआईए स्टाफ में तैनात सहायक सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) गुरजीत सिंह उर्फ गोल्डी को 1.30 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मोहाली स्थित विजिलेंस थाने में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यह कार्रवाई फिरोजपुर जिले के गांव नौरंग के लेली निवासी एक पशु कारोबारी की शिकायत के आधार पर की गई।

शिकायतकर्ता के अनुसार उसके रिश्तेदार के खिलाफ फिरोजपुर छावनी में एक मामला दर्ज है, जिसकी जांच सीआईए स्टाफ कर रहा था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि एएसआई गुरजीत सिंह ने उसे धमकाया कि उसके रिश्तेदार को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके बाद आरोपी पुलिसकर्मी ने गिरफ्तारी टालने और जमानत दिलाने में मदद करने के बदले 2.5 लाख रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी ने यह भी कहा कि यह राशि सीआईए स्टाफ के इंचार्ज मोहित धवन को दी जानी है। बाद में बातचीत के दौरान रिश्वत की रकम 2.3 लाख रुपये में तय हुई। शिकायतकर्ता ने पहली किश्त के रूप में एक लाख रुपये आरोपी को दे दिए थे। शेष राशि देने से इन्कार करते हुए उसने विजिलेंस ब्यूरो के फ्लाइंग स्क्वाड, मोहाली से संपर्क किया और पूरी शिकायत दर्ज करवाई।

शिकायत की जांच के बाद विजिलेंस टीम ने जाल बिछाया। दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में आरोपी एएसआई गुरजीत सिंह को शिकायतकर्ता से 1.30 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ काबू कर लिया गया। विजिलेंस ब्यूरो ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी।

चंडीगढ़ में मार्केट कमेटी कर्मियों पर शराब सेवन का आरोप, कार्रवाई की मांग

एसडीएम की छापेमारी, अस्पताल में मेडिकल जांच, उच्च स्तर पर शिकायत

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

चंडीगढ़ में एक बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई के तहत मार्केट कमेटी के चार कर्मचारियों पर ड्यूटी के दौरान शराब सेवन के आरोप सामने आए हैं। शिकायत मिलने के बाद उप-विभागीय मजिस्ट्रेट की टीम ने संबंधित स्थान पर छापेमारी की और कर्मचारियों को तुरंत मेडिकल जांच के लिए सेक्टर-16 स्थित सरकारी मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल भेजा गया।

सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई उस शिकायत पर आधारित थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि चार कर्मचारी ड्यूटी समय में शराब के नशे में पाए गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए जांच शुरू की।

शिकायत मिलते ही एसडीएम स्तर की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का निरीक्षण किया। इसके बाद सभी चार कर्मचारियों को मेडिकल परीक्षण के लिए सेक्टर-16 अस्पताल भेजा गया, जहां

उनकी मेडिकल जांच की प्रक्रिया पूरी की गई। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, मेडिकल रिपोर्ट को प्रशासनिक जांच का अहम आधार बनाया जाएगा। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि रिपोर्ट में शराब सेवन की पुष्टि हुई है या नहीं।

▪ प्रशासक और एसएसपी को शिकायतः घटना को लेकर प्रशासनिक हलकों में भी हलचल देखी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिकायत की कॉपी चंडीगढ़ प्रशासक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को भी भेजी गई है। प्रशासन का कहना है कि सरकारी कर्मचारियों के आचरण में अनुशासन और पारदर्शिता बेहद जरूरी है, और किसी भी तरह की लापरवाही या अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

▪ जांच के दायरे में आचार संहिता और ड्यूटी अनुशासन

मार्केट कमेटी स्तर पर भी आंतरिक जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित कर्मचारियों पर निलंबन और विभागीय कार्रवाई की सिफारिश की जा सकती है।

प्रशासनिक विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई का उद्देश्य केवल सजा नहीं, बल्कि सिस्टम में अनुशासन बनाए रखना भी होता है।

यह मामला प्रशासनिक अनुशासन और सरकारी कार्य संस्कृति से जुड़ा हुआ है, जहां जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि आरोप कितने सही हैं। फिलहाल प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और तथ्य-आधारित तरीके से आगे बढ़ाने के संकेत दिए हैं।

ज़ीरकपुर के वार्ड नंबर 30 में सीवरेज के गंदे ने लोगों की जिंदगी बनाई नर्क

गुरमीत सिंह | ज़ीरकपुर
समर न्यूज़

ज़ीरकपुर के वार्ड नंबर 30 (गोदाम क्षेत्र) की एक आवासीय गली में लंबे समय से सीवरेज का गंदा पानी ओवरफ़्लो होकर सड़कों पर खड़ा हो गया है, जिससे स्थानीय निवासी भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। इलाके के लोगों का आरोप है कि नगर परिषद और संबंधित विभागों को कई बार शिकायतें देने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया।

स्थानीय निवासी रन्बीर सिंह कहलौं ने बताया कि सीवरेज का गंदा पानी गलियों में जमा होने से आवाज़ाही प्रभावित हो रही है और लोगों को रोज़ाना आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि गंदे पानी से क्षेत्र में बदबू फैल रही है, जिससे रहना

गोदाम एरिया की एक गली में सीवरेज का गंदा पानी खड़ा होने के कारण बनी स्थिति। - समर न्यूज़

दुश्वार हो गया है। इलाके के लोगों के अनुसार खड़े पानी की वजह से मच्छरों की संख्या भी बढ़ रही है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक रोग फैलने का खतरा बना हुआ है। उन्होंने यह चिंता भी जताई कि यदि समय पर कार्रवाई न की गई तो पीने के पानी के दूषित होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

चाकूबाजी कर हत्या की कोशिश करने वाला आरोपी गिरफ्तार, चाकू बरामद

सारांश महिरा | चंडीगढ़
समर न्यूज़

पुलिस ने मनीमाजरा क्षेत्र में हुई हत्या के प्रयास की सनसनीखेज वारदात को सुलझाते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, 20 मई 2026 को मनीमाजरा स्थित ठाकुर द्वारा के पास अराम जनरल स्टोर में चाकूबाजी की घटना हुई थी। शिकायतकर्ता मोहम्मद असगर ने पुलिस को बताया कि उसके बेटे शादाब और ओसामा दुकान पर मौजूद थे। इसी दौरान आरोपी नदीम उर्फ नड्डु ने दुकान से कोल्ड ड्रिंक पी और पैसे मांगने पर विवाद शुरू कर

दिया। आरोप है कि गुस्से में आरोपी ने चाकू निकालकर शादाब के सीने पर वार कर दिया। बीच-बचाव करने आए ओसामा पर भी आरोपी ने चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया और मौके से फरार हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के विशेष दल गठित किए गए। तकनीकी निगरानी, स्थानीय मुखबिरों और लगातार छापेमारी के आधार पर आरोपी की लोकेशन ट्रेस की गई। जांच में पता चला कि आरोपी कुछ समय तक छिपा रहा, लेकिन पैसे खत्म होने पर वापस चंडीगढ़ लौट आया। इसके बाद पुलिस ने 2 जून 2026 को उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी नदीम उर्फ नड्डु (28) मनीमाजरा का रहने वाला है और मोटर मार्केट में मैकेनिक का काम करता है। आरोपी को अदालत में पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सस्पेंड डीआईजी भुल्लर केस

सीबीआई ने सैंक्शन ऑर्डर को बताया वैध, याचिका खारिज करने की मांग

समर न्यूज़। चंडीगढ़

सस्पेंड डीआईजी भुल्लर से जुड़े हाई-प्रोफाइल मामले में सीबीआई ने अदालत में अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि अभियोजन के लिए जारी किया गया सैंक्शन ऑर्डर पूरी तरह वैध है। सीबीआई ने अदालत से संबंधित याचिका को खारिज करने की मांग करते हुए आरोप लगाया है कि यह प्रयास केवल ट्रायल को अनावश्यक रूप से टालने की रणनीति का हिस्सा है। मामले की अगली सुनवाई 4 जून को निर्धारित की गई है, जिसमें दोनों पक्षों के बीच विस्तृत बहस होने की संभावना है। यह केस उस समय सुर्खियों में आया जब सस्पेंड किए गए डीआईजी भुल्लर के खिलाफ भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग से जुड़े आरोपों में जांच आगे बढ़ी।

चंडीगढ़ में बुज़ुर्ग दंपति से 2.15 करोड़ की साइबर ठगी

समर न्यूज़। चंडीगढ़

चंडीगढ़ में साइबर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें एक बुजुर्ग दंपति को कथित रूप से "सीबीआई अधिकारी" बनकर धमकाया गया और उनसे करीब 2.15 करोड़ रुपये ठग लिए गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ठगों ने दंपति को डराकर उनकी जीवनभर की जमा पूंजी, बैंक बचत और सोने के गहने तक बिकवा दिए और पैसे अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करवा लिए।

पीड़ित दंपति को एक कॉल आई जिसमें कॉलर ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताया। उन्हें कहा गया कि उनके नाम पर मनी लॉन्ड्रिंग या आपराधिक मामला दर्ज है और तुरंत गिरफ्तारी हो सकती है। डर और दबाव के माहौल में आरोपियों ने दंपति को "वेरिफिकेशन" और "क्लियरेंस" के नाम पर लगातार फोन कॉल्स के जरिए मानसिक रूप से नियंत्रित किया। मामला सामने आने के बाद साइबर क्राइम सेल ने जांच शुरू कर दी है। बैंक ट्रांजेक्शन की ट्रेसिंग की जा रही है और जिन खातों में रकम ट्रांसफर हुई है, उन्हें फ्रीज करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है।

अधिकारियों का कहना है कि यह "डिजिटल अरेस्ट स्कैम" का बढ़ता हुआ स्वरूप है, जिसमें अपराधी खुद को कानून एजेंसियों का अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं। सामने आया यह मामला एक बार फिर दिखाता है कि साइबर अपराधी अब मनोवैज्ञानिक दबाव और सरकारी पहचान की आड़ लेकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। बुजुर्ग वर्ग ऐसे मामलों में अधिक संवेदनशील पाया जा रहा है।

पुलिस का नया क्राइम इंटेलिजेंस मॉडल 10,892 अपराधियों की डिजिटल निगरानी

करुणा मित्तल | चंडीगढ़
समर न्यूज़

अपराध और संगठित आपराधिक गिरोहों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए हरियाणा पुलिस ने तकनीक आधारित नया 'क्राइम इंटेलिजेंस मॉडल' लागू किया है। इस पहल के तहत रोहतक, झज्जर, सोनीपत और फरीदाबाद जिलों में गठित विशेष आरजेएसएफ (रोहतक-झज्जर-सोनीपत-फरीदाबाद) यूनिट पिछले दस वर्षों में जघन्य अपराधों में शामिल अपराधियों का विस्तृत डाटाबेस तैयार कर उनकी लगातार निगरानी कर रही है।

पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल की अध्यक्षता में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में इस पहल की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में पुलिस

मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों सहित विभिन्न जिलों के पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। रोहतक रेंज के आईजी सिमरदीप सिंह ने बताया कि इस मॉडल की शुरुआत रोहतक जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में की गई थी। सकारात्मक परिणाम मिलने के बाद इसे झज्जर, सोनीपत और फरीदाबाद में भी लागू किया गया। आरजेएसएफ यूनिट ने हत्या, हत्या के प्रयास और अन्य गंभीर अपराधों में शामिल 10,892 अपराधियों का विस्तृत डाटाबेस तैयार किया है। इसमें अपराधियों का आपराधिक इतिहास, सामाजिक पृष्ठभूमि, संपर्क और वर्तमान गतिविधियों जैसी जानकारियां शामिल हैं। यूनिट अपराधियों को विभिन्न श्रेणियों में बांटकर उनके जोखिम स्तर का भी आकलन कर रही है ताकि संभावित अपराधों को पहले ही रोका जा सके।

यूनिट ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर रही है जिन्हें आपराधिक गिरोह अपने नेटवर्क में शामिल करने का प्रयास कर सकते हैं। आधुनिक तकनीक, मानव स्रोतों और फील्ड इंटेलिजेंस के माध्यम से अपराधियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

काउंसलर नसीब संधू ने सेक्टर-82 की समस्याओं को लेकर सौंपा मांग पत्र

सुरिंदर सिंह / गुरशरण सिंह
मोहाली | समर न्यूज़

मोहाली नगर निगम के वार्ड नंबर 24 के काउंसलर नसीब सिंह संधू ने सेक्टर-82 जेएलपीएल, सेक्टर-82ए और आसपास के गांवों के निवासियों एवं उद्योगपतियों की समस्याओं को लेकर मोहाली के विधायक को मांग पत्र सौंपा। पत्र में जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों के जल्द समाधान की मांग की गई है। काउंसलर नसीब सिंह संधू ने बताया कि सेक्टर-82 स्थित परीक्षा केंद्र में परीक्षा के दिनों के दौरान बड़ी संख्या में वाहन सड़क किनारे खड़े होने से ट्रैफिक जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। उन्होंने परीक्षा केंद्र के निकट एक समर्पित पार्किंग व्यवस्था बनाने की मांग की है। इसके अलावा सेक्टर-82 जेएलपीएल में पपरी लाइट के निकट सड़क कट का निर्माण कार्य

पूरा होने के बावजूद उसे आम जनता के लिए नहीं खोला गया है। मांग पत्र में इसे जल्द शुरू करने की अपील की गई है ताकि स्थानीय लोगों और यात्रियों को राहत मिल सके। पत्र में सेक्टर-82 जेएलपीएल और सेक्टर-82ए को जोड़ने वाले पुल के निर्माण कार्य में हो रही देरी का मुद्दा भी उठाया गया है। काउंसलर ने संबंधित विभाग को निर्माण कार्य में तेजी लाने और इसे जल्द पूरा करने के निर्देश देने की मांग की है। नसीब सिंह संधू ने कहा कि ये सभी जनहित से जुड़े मुद्दे हैं और इनके समाधान से क्षेत्र के निवासियों, उद्योगपतियों और आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने प्रशासन से इन मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करने की अपील की है।

ज़ीरकपुर में एसटीपी बनेगा नए चुने पार्षदों के लिए बड़ी चुनौती

गुरमीत सिंह | ज़ीरकपुर
समर न्यूज़

तेज़ी से बढ़ते ज़ीरकपुर शहर में सीवरेज निपटान की बढ़ती समस्या नए चुने गए पार्षदों के सामने पहली बड़ी चुनौती बनकर उभर रही है। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने सनौली में प्रस्तावित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण पर 28 अगस्त तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है, जिससे शहर की दीर्घकालिक सीवरेज विस्तार योजना अनिश्चितता में फँस गई है।

हालिया नगर काउंसिल चुनावों में आम आदमी पार्टी ने 16 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। 31 सदस्यीय काउंसिल में शेष सीटों पर अकाली दल के 6, कांग्रेस और भाजपा के 4-4 तथा

एस टी पी का उद्घाटन करते पुराने पार्षद और हलका विधायक। - समर न्यूज़

एक स्वतंत्र काउंसलर चुने गए हैं। ऐसी स्थिति में शहर की बुनियादी सुविधाओं में सुधार नई निर्वाचित परिषद के लिए बड़ी ज़िम्मेदारी होगी। हाईकोर्ट में दाख़िल याचिका में आरोप लगाया गया है कि जिस जमीन पर एसटीपी बनाया जा रहा है वह मास्टर प्लान के अनुसार आवासीय उपयोग के लिए सुरक्षित रखी गई थी और आवश्यक अनुमतियाँ तथा सार्वजनिक सुनवाई की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। उल्लेखनीय है कि ज़ीरकपुर में 2013-14 के दौरान सिंहपुरा में 17.5 एमएलडी क्षमता का एक एसटीपी स्थापित किया गया था। लेकिन पिछले एक दशक में शहर की आबादी और आवासीय परियोजनाओं में तेज़ी से वृद्धि होने के कारण नए प्लांट की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। अब हाईकोर्ट के रोक आदेश के कारण यह परियोजना फिर से विवादों में घिर गई है। आने वाले महीनों में यह देखने योग्य होगा कि नई नगर परिषद शहर की बढ़ती सीवरेज समस्या और कानूनी चुनौतियों से कैसे निपटती है।

सड़क हादसे

सड़क हादसों में समय पर मिली मदद बचा लेती है जिंदगी

ज़ीरकपुर में सड़क सुरक्षा टीम बचा रही लोगों की कीमती जान

गुरमीत सिंह | ज़ीरकपुर
समर न्यूज़

सड़क सुरक्षा फोर्स के इंचार्ज इंदरजीत सिंह टीम के साथ। (दाएं) जख्मी की मदद करते सड़क सुरक्षा टीम। - समर न्यूज़

पंजाब सरकार की "सड़क सुरक्षा फोर्स" ने ज़ीरकपुर और आसपास के क्षेत्रों में सड़क दुर्घटनाओं के दौरान त्वरित कार्रवाई कर कई लोगों की जानें बचाकर स्थानीय लोगों का भरोसा जीत लिया है। हादसे की सूचना मिलते ही फोर्स की मोबाइल टीम मौके पर पहुंचकर घायल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार देती है और गंभीर हालत होने पर उन्हें नज़दीकी अस्पताल तक पहुँचाने में मदद करती है।

सड़क सुरक्षा फोर्स के इंचार्ज इंदरजीत सिंह ने बताया कि उनकी टीमें चौबीसों घंटे, सप्ताह के सातों दिन तैनात रहती हैं और हर तरह की आपातस्थिति के लिए प्रशिक्षित हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी हादसे की सूचना मिलने पर तुरंत हेल्पलाइन या नज़दीकी टीम से संपर्क करें ताकि समय पर सहायता उपलब्ध करवाई जा सके। इंदरजीत के अनुसार तात्कालिक बचाव और विशेषज्ञ मदद में देरी को कम करने के लिए फोर्स ने प्रशिक्षित कर्मियों व आवश्यक उपकरणों का इंतज़ाम किया है। स्थानीय लोग भी सड़क सुरक्षा फोर्स की तत्परता और मानवता की सराहना कर रहे हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि हाल ही में हुई एक टक्कर में फोर्स की टीम के समय पर पहुंचने से गंभीर घायल मरीज को अस्पताल भेजकर जान बचाई जा सकी। शहरवासियों का कहना है कि इस तरह की सेवाएँ दुर्घटना पीड़ितों के लिए आश्वस्ति बनकर उभरी हैं और कई बार समय पर मिली मदद कीमती जिंदगी बचा लेती है। अन्य संबंधित अधिकारियों ने भी कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए जागरूकता बढ़ाने, तेज गति पर नियंत्रण और सुरक्षित ड्राइविंग के कार्यक्रम जारी रहेंगे। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वयं भी सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और किसी भी हादसे की सूचना तुरंत साझा करें ताकि फोर्स समय रहते मदद पहुँचा सके।

25 दिन के संघर्ष के बाद जिदंगी की जंग हारी महक

समर न्यूज़ | डेराबस्सी

पत्रकार अनिल शर्मा की बेटी महक शर्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए राम मंदिर में एक भावभीनी अंतिम अरदास और श्रद्धांजलि समागम आयोजित किया गया। इस मौके हलका विधायक कुलजीत सिंह रंधावा, पूर्व विधायक एन के शर्मा, कांग्रेसी नेता उदेवीर सिंह ढिल्लो, भाजपा नेता गुरदर्शन सिंह सैनी, मुकेश गांधी, कृष्णपाल शर्मा, रणजीत सिंह रेड्डी, सीनियर पत्रकार सरबजीत सिंह भट्टी, प्रेस क्लब के प्रधान हरजीत सिंह लक्की, उज्वल शर्मा, विक्रमजीत पवार , मंदीप वर्मा, एडवोकेट सुनील भट्टी, मधुकर शर्मा, रविंदर वैष्णव, गुरप्रीत सिंह मनोज राजपुर, रणबीर सिंह, गुरजीत सिंह, सुखविंदर सिंह सुरिंदर पुरी भी उपस्थित थे।

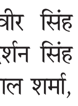

कालका में वाहन पार्ट चोरी में नाबालिग सहित तीन काबू

करुणा मित्तल | पंचकूला/कालका
समर न्यूज़

पंचकुला पुलिस ने वाहन इंजन के महंगे पार्ट चोरी करने के मामलें में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरीशुदा सामान बरामद करने में सफलता हासिल की है। मामले में एक नाबालिग की भूमिका भी सामने आई है, जिसकी संबंधित अधिनियम के प्रावधानों के तहत जांच की गई है।

पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से रिमांड के दौरान अन्य चोरी की वारदातों को लेकर भी गहन पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार कालका निवासी युवक द्वारा कालका थाना में शिकायत दर्ज करवाई गई कि उनकी वाहन मरम्मत की दुकान कालका क्षेत्र में स्थित

है। शिकायतकर्ता के अनुसार एक वाहन के इंजन की मरम्मत के दौरान उसके इंजन के महत्वपूर्ण पार्ट वाहन के अंदर रखे गए थे। अगले दिन सुबह वाहन का पिछला शीशा टूटा हुआ मिला तथा उसमें रखे इंजन के महंगे उपकरण जैसे पिस्टन, एसी कम्प्रेसर, अल्टरनेटर, कैटेलिटिक कनवर्टर, सेल्फ स्टार्टर, टाइमिंग कवर, इंजेक्टर सहित अन्य सामान चोरी पाया गया।